अभिनव प्रयास

उत्तराखण्ड निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनाव 2022 को उत्तराखण्ड चुनाव कौथिग के रूप में मनाने का संकल्प लिया। उत्तराखण्ड में कौथिग का अर्थ होता है त्यौहार यानि मेला, इन त्यौहारों में बेटियों यानि धियानों को विशेष रूप से न्यौता भेजा जाता है। इसी समृद्ध परम्परा को आगे बढ़ाते हुए बागेश्वर जिले के स्वीप ने अपने मतदाताओं को इस चुनाव कौथिग में भाग लेने के लिये आमंत्रित करते हुए 'न्यूत' यानि न्यौता दिया। लोक संस्कृति से चुनावों को जोड़ते हुए स्थानीय भाषा में लिखा यह निमंत्रण अपने आप में एक अभिनव प्रयास था।

उत्तराखण्ड विधानसभा चुनाव में लोक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये पहली बार लोक संस्कृति, लोक कला, लोकगीत एवं लोकनृत्यों को समाहित किया गया। कुमाऊँ की प्रसिद्ध लोककला 'ऐपण' का प्रयोग कर, जन–जन तक चुनाव सम्बन्धी जानकारी पहुँचाई गई। इन संदेशों को ऐपण के रूप में स्थानीय महिलाओं द्वारा डिजाइन किया गया। लोकभाषा–गढ़वाली एवं कुमाऊँनी में लोकगीत तैयार कर सोशल मीडिया द्वारा प्रसारित किए गए। महिला चौपालों, बूथ मेला, एवं यूथ फैस्टिवल में लोकनृत्यों द्वारा समाज के सभी वर्गों तक चुनाव सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी पहुँचाई गयी।

देश के भावी मतदाताओं को चुनाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में छात्रों के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। नुक्कड़ नाटकों, भिन्न–भिन्न खेलों के माध्यम से चित्रकला, मेहन्दी, निबन्ध प्रतियोगिता, मशाल जुलूस के द्वारा छात्रों को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। छात्र–छात्राओं को

अपने अभिभावकों, पड़ोसियों, पारिवारिक सदस्यों को मतदान हेतु प्रोत्साहित करने के लिये भी प्रेरित किया गया।

प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में आयोजित बूथ मेलों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें वृद्ध, युवा एवं महिला मतदाताओं ने उत्सुकतापूर्वक प्रतिभाग किया। इन कार्यक्रमों में प्रश्नोत्तरी आदि के माध्यम से चुनाव सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गयी।

महिलाओं एवं पुरूषों ने ढोल–दमऊ की थाप पर स्थानीय लोकनृत्य रासू का आयोजन कर इस बूथ मेले में अपनी उत्साहपूर्ण सहभागिता प्रदर्शित की। विभिन्न जनपदों में आयोजित बूथ मेलों में मतदाता जागरूकता सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसे मतदाताओं द्वारा बहुत सराहा गया।

स्कूली छात्र–छात्राओं द्वारा स्थानीय वेशभूषा में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों विशेष तौर से शहर के व्यस्ततम चौराहों पर नुक्कड़, गीत आदि के माध्यम से ''एक वोट की ताकत'' का संदेश जन–जन तक पहुंचाया।

राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में वोट देने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रचार–प्रसार सामग्री का उपयोग कर प्रेरित किया गया। वोट देना अधिकार है और कर्तव्य भी, यह जानकारी टी0वी0, रेडियो में माध्यम से भी दी गयी। राज्य के प्रसिद्ध व्यक्तियों को आईकॉन बनाकर सन्देश प्रेषित करवा गए। लेखक–रस्किन बॉण्ड, जागर गायक–प्रीतम भरतवाण, पर्यावरणविद–श्री कल्याण सिंह रावत 'मैती' पैरा ओलंपियन श्री मनोज सरकार व पर्वतारोही सुश्री ताशी–नुंग्शी ने वोटर कार्ड बनाने व वोट डालने के लिए मतदाताओं को प्रेरित किया।